

छोटे कृषि उत्पादकों के लिए सस्ते कृषि व्यवसाय

अमिता मीना^{1*}

¹टीचिंग एसोसिएट, निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर राजस्थान

*E-mail: amitameenaagro@gmail.com

भारत एक कृषि आधारित देश है जहाँ आज भी बड़ी संख्या में लोग खेती पर निर्भर हैं। देश की अधिकतर जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और उनकी आय का मुख्य स्रोत खेती है। भारत में लगभग 80 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत किसान हैं जिनके पास बहुत कम भूमि होती है। सीमित भूमि, संसाधनों की कमी, बढ़ती हुई लागत, जल संकट, जलवायु परिवर्तन और मार्केट की अनिश्चितता के कारण छोटे किसानों की आर्थिक स्थिति हमेशा कमजोर रहती है। ऐसे हालात में कम लागत वाले कृषि व्यवसाय छोटे किसानों के लिए आय बढ़ाने का एक प्रभावी तरीका बन सकते हैं।

कम लागत वाले कृषि व्यवसाय ऐसे उद्यम हैं जिन्हें न्यूनतम पूंजी, सीमित संसाधनों और छोटी भूमि पर शुरू किया जा सकता है। इनमें जोखिम अपेक्षाकृत कम होता है और मुनाफा मिलने की संभावना अधिक होती है। यदि किसान नई तकनीकों, जैविक खेती, पशुपालन, सब्जियों की खेती, मशरूम उगाने, मधुमक्खी पालन, डेयरी, पोल्ट्री, बकरी पालन, मत्स्य पालन और कृषि प्रसंस्करण जैसे कार्यों को अपनाते हैं, तो वे अपनी आय में महत्वपूर्ण वृद्धि कर सकते हैं।

वर्तमान में केवल पारंपरिक खेती से पर्याप्त आय प्राप्त करना कठिन हो गया है। इसलिए कृषि के साथ विभिन्न सहायक व्यवसायों को जोड़ना अनिवार्य हो गया है। यदि छोटे किसान कृषि को एक व्यवसाय के रूप में अपनाएँ और स्थानीय संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करें तो वे कम लागत में भी अच्छे लाभ कमा सकते हैं। इस लेख में छोटे किसानों के लिए विभिन्न कम खर्चीले कृषि व्यवसायों, उनके गुण, लाभ, चुनौतियों और सरकारी योजनाओं का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

छोटे किसानों के हालात और समस्याएं

भारत में बहुत से छोटे किसान हैं, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं है। इसका बहुत सारा कारण है। जमीन का छोटा आकार छोटे किसानों के पास अक्सर एक से दो हेक्टेयर की जमीन होती है। कम भूमि पर बड़े पैमाने पर खेती असंभव है, जिससे आय और उत्पादन सीमित रहते हैं। धन की कमी कई किसानों के पास आधुनिक उपकरण, बीज, खाद और सिंचाई सुविधाओं खरीदने के लिए पर्याप्त धन नहीं है। यही कारण है कि वे पारंपरिक तरीकों पर निर्भर रहते हैं। मौसम पर आधारित वर्षा आधारित खेती आम है। उत्पादन अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और

तापमान से प्रभावित होता है। बाजार की चुनौती किसानों को पर्याप्त मूल्य नहीं मिलता। बिचौलियों का लाभ कम हो जाता है। तकनीकी सूचना का अभाव, जैविक खेती, आधुनिक कृषि तकनीकें और कृषि व्यवसाय प्रबंधन के बारे में बहुत कम किसान जानते हैं। कम लागत वाले कृषि व्यवसाय इन समस्याओं को हल कर सकते हैं।

कम लागत वाली कृषि का महत्व

छोटे किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में कम लागत वाले कृषि व्यवसाय मदद करते हैं। इनके महत्वपूर्ण फायदे निम्नलिखित हैं:

- कम निवेश से व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।
- परिवार का काम मिलता है।
- कृषि से अतिरिक्त आय मिलती है।
- जोखिम कम है।
- ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।
- प्राकृतिक संसाधनों का अधिक उपयोग होता है।
- महिलाओं और युवा लोगों की भागीदारी

छोटे किसानों के लिए प्रमुख कम लागत वाली खेती

कृषि उत्पादन छोटे किसानों के लिए सबसे फायदेमंद और कम लागत वाला काम सब्जी उत्पादन है। विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ कम जमीन पर भी उगाकर लाभ कमाया जा सकता है। प्रमुख सब्जियाँ टमाटर, भिंडी, मिर्च, बैंगन पालक, मेथी और खीरा आदि।

लाभ

- कम समय में मिलता है।
- बाजार में मांग हमेशा रहती है।
- कम जमीन पर अधिक आय मिलती है।
- जैविक खेती से अतिरिक्त लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।
- आवश्यक सुरक्षा उपायों का उपयोग करते हुए उन्नत बीजों का चयन करें, समय पर सिंचाई करें, जैविक खाद का इस्तेमाल करें, कीट और बीमारी नियंत्रण पर ध्यान दें।

मशरूम बनाना: आज की दुनिया में मशरूम उत्पादन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह कम जगह में और कम लागत में शुरू किया जा सकता है। मुख्य प्रकार: बटन, ऑयस्टर, मिल्की आदि प्रकार के

होते हैं। इनको उगाने के लिये भूसा, मशरूम बीज, साफ कमरा आदि की सामग्री होती है।

लाभ

- जल्दी मिलता है।
- बाजार में उचित मूल्य मिलता है।
- यह व्यवसाय महिलाओं के लिए अनुकूल है।
- कम स्थान पर उत्पादन संभव है।

चुनौतियाँ:

- तापमान नियंत्रण है।
- स्वच्छता कायम रखना महत्वपूर्ण है।

मधुमक्खी: मधुमक्खी पालन में कम लागत पर अच्छा लाभ मिल सकता है। इससे मोम और शहद मिलते हैं। लाभ अतिरिक्त आय देता है। फसल परागण करती है। कम जमीन की जरूरत है। शहद की मांग लगातार बढ़ी है। सरकार मधुमक्खी पालन में प्रशिक्षण देती है और अनुदान देती है।

डेयरी व्यापार: ग्रामीण क्षेत्रों में दूध उत्पादन महत्वपूर्ण है। एक या दो भैंस या गाय से छोटे किसान डेयरी शुरू कर सकते हैं। लाभ प्रत्येक दिन आय मिलती है। गोबर को बायोगैस और जैविक खाद बनाने में प्रयोग किया जा सकता है। दुग्ध उत्पादों की मांग निरंतर रहती है।

आवश्यक सुरक्षा उपाय: पशुओं को नियमित रूप से टीकाकरण करें। स्वास्थ्यकर भोजन करें।

बकरी पालन: छोटे किसानों के लिए बकरी पालन बहुत फायदेमंद है। कम लागत में इसे शुरू कर सकते हैं। बकरी की प्रमुख जातियां जमुनापारी, सिरोही, बीटल बरबरी आदि हैं।

लाभ

- कम धन की आवश्यकता है।
- बकरी का मांस और दूध दोनों स्वास्थ्यप्रद हैं।
- प्रजनन जल्दी होता है।
- यह ग्रामीण महिलाओं के लिए अनुकूल है।

पोल्ट्री कृषि: मुर्गी पालन कम लागत में शुरू होने वाला एक लोकप्रिय उद्यम है। इस तरह की ब्रॉयलर पालन लेयर पालन लाभ कम समय में लाभ देता है। मांस और अंडे दोनों की मांग रहती है। व्यवसाय कम जगह में शुरू किया जा सकता है।

